विद्याभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा – सप्तम **दिनांक -२६ -०४ - २०२१**

विषय -हिन्दी **विषय शिक्षक -पंकज कुमार**

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

सुप्रभात बच्चों आज सम्बन्धवाचक विशेषण के बारे में अध्ययन करेंगे ।

सम्बन्धवाचक विशेषण

संबंधवाचक विशेषण की परिभाषा

जब विशेषण शब्दों का प्रयोग करके किसी एक वस्तु या व्यक्ति का संबंध दूसरी वस्तु या व्यक्ति के साथ बताया जाए, तो वह संबंधवाचक विशेषण कहलाता है।

इस तरह के विशेषण क्रिया, क्रिया-विशेषण आदि से बनते हैं। जैसे: अंदरूनी यह शब्द अन्दर शब्द से बना है जो कि एक क्रिया विशेषण है। भीतरी : यह शब्द भीतर शब्द से बना है। जो की एक क्रियाविशेषण है।

संबंधवाचक विशेषण के उदाहरण

पेट हमारे शरीर का अंदरूनी हिस्सा है।

ऊपर दिए गए उदाहरण में जैसा कि आप देख सकते हैं अंदरूनी शब्द का इस्तेमाल किया गया है। यह शब्द बाहरी शरीर का अंदरूनी शरीर का संबंध बता रहा है। यह एक क्रियाविशेषण शब्द से बना हुआ है। अतः यह शब्द संबंधवाचक विशेषण के अंतर्गत आएगा।

ज्वालामुखियों की भीतरी सतह ज्यादा गरम होती है।

जैसा कि आप ऊपर दिए गए उदाहरण में देख सकते हैं भीतरी शब्द का प्रयोग किया गया है। यह शब्द हमें ज्वालामुखी की बाहरी एवं भीतरी सतह के सम्बन्ध के बारे में बता रहा है। यह शब्द भी एक क्रियाविशेषण शब्द से बना हुआ है। अतः यह उदाहरण संबंधवाचक विशेषण के अंतर्गत आयेगा।

उसके सिर के अंदरूनी हिस्से में चोट लगी है।

ऊपर दिए गए उदाहरण में जैसा की आप देख सकते हैं की यहां अंदरूनी शब्द का प्रयोग किया गया है। अंदरूनी शब्द के प्रयोग से हमें सर के बाहरी एवं अंदरूनी हिस्से के बीच के सम्बन्ध के बारे में पता चल रहा है। जैसा की हम देख सकते हैं की यह शब्द एक क्रियाविशेषण से बना हुआ है। अतः यह उदाहरण सम्बन्धवाचक विशेषण के अंतर्गत आएगा।

यमन का भीतरी इलाका एकदम उजाड़ है।

जैसा की आप ऊपर दिए गए उदाहरण में देख सकते हैं यहां भीतरी शब्द का प्रयोग किया गया है। भीतरी शब्द के प्रयोग से हमें यमन के भीतरी एवं बाहरी इलाके के बारे में सम्बन्ध पता चल रहा है। इससे हमें पता चलता है की बाहरी इलाके के सन्दर्भ में भीतरी इलाका ज़्यादा उजाड़ है। जैसा की हम देख सकते हैं की यह शब्द एक क्रियाविशेषण से बना हुआ है। अतः यह उदाहरण सम्बन्धवाचक विशेषण के अंतर्गत आएगा।